

संतुलति क्रपिटोकरेंसी वनियिमन की आवश्यकता

प्रलिमिस के लयि:

[क्रपिटोकरेंसी](#), [ब्लॉकचेन](#), [बटिकॉइन](#), [मनी लॉनड्रगि](#), [डजिटिल रुपया](#), [कराधान](#)

मेन्स के लयि:

[क्रपिटोकरेंसी के नयिमन में मुददे](#)

[स्रोत: इंडयिन एक्सप्रेस](#)

चर्चा में क्यों?

अमेरिकी प्रशासन ने [क्रपिटो प्रसिंपततयिं](#) को अपनाया है, जसिसे वैश्वकि वतित में उनकी जगह मज़बूत हुई है। जबकि वयितनाम जैसे देश स्पष्ट वनियिमनों पर जोर दे रहे हैं और यूरोपीय संघ [MICA](#) के साथ वैश्वकि मानक नरिधारति कर रहा है, **भारत अभी भी डसिक्शन पेपर की प्रतीक्षा कर रहा है।**

क्रपिटोकरेंसी क्या है?

परचिय

- क्रपिटोकरेंसी एक **डजिटिल या वर्चुअल करेंसी** है जो लेनदेन को सुरक्षति करने के लयि क्रपिटोग्राफी का उपयोग करती है। यह एक **वकिंद्रीकृत मुद्रा** है (कसिी सरकार या संस्था द्वारा नयित्तरति नहीं)।
- क्रपिटोकरेंसी के साथ कयि गए लेन-देन को ब्लॉकचेन नामक **सार्वजनकि डजिटिल खाताबही** में दर्ज कयि जाता है।
 - इस खाताबही का **रखरखाव वशि्व भर के कंप्यूटरों के नेटवर्क द्वारा** कयि जाता है, तथा प्रत्येक नए लेनदेन को इन कंप्यूटरों द्वारा सत्यापति कयि जाता है तथा ब्लॉकचेन में जोड़ा जाता है।
- क्रपिटोग्राफी के वकिंद्रीकरण और उपयोग से कसिी के लयि भी मुद्रा या ब्लॉकचेन पर रकिॉर्ड कयि गए लेनदेन में हेरफेर करना कठनि हो जाता है।
- क्रपिटोकरेंसी के कुछ उदाहरणों में **बटिकॉइन, एथेरयिम और लाइटकॉइन** शामिल हैं।

क्रिप्टोकॉरेंसी

क्रिप्टोकॉरेंसी एक डिजिटल या आभासी मुद्रा है जो सुरक्षित, विकेंद्रीकृत लेन-देन के लिये क्रिप्टोग्राफी का उपयोग करती है और ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी पर कार्य करती है।

क्रिप्टोकॉरेंसी की विशेषताएँ

- क्रिप्टोग्राफी द्वारा सुरक्षित आभासी धन
- डायरेक्ट पीयर-टू-पीयर लेन-देन, जिससे बैंकों की आवश्यकता समाप्त हो जाती है
- सार्वजनिक बही खाता में प्रविष्टियाँ दर्ज की जाती हैं, न कि भौतिक नकदी के रूप में
- एन्क्रिप्टेड; उन्नत कोडिंग विधियाँ उच्च-स्तरीय सुरक्षा सुनिश्चित करती हैं
- विकेंद्रीकृत; किसी भी सरकार द्वारा नियंत्रित नहीं

कानूनी स्थिति: क्रिप्टोकॉरेंसी

- वैध घोषित:** अल साल्वाडोर (वर्ष 2021) और **मध्य अफ्रीकी गणराज्य (वर्ष 2022)**; बिटकॉइन को वैध मुद्रा के रूप में मान्यता देने वाले पहले और दूसरे देश
 - अन्य देश जहाँ बिटकॉइन वैध है: अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोपीय संघ, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, जापान, स्विट्ज़रलैंड
- अवैध घोषित:** चीन, पाकिस्तान, सऊदी अरब, ट्यूनीशिया और बोलीविया
- भारत में स्थिति:**
 - कानूनी मुद्रा के रूप में मान्य नहीं है, हालाँकि प्रतिबंधित भी नहीं है
 - कराधान:** मुनाफे पर 30% कर और हस्तांतरण पर 1% TDS (बजट 2022-23)
 - RBI ने वर्ष 2022 में अपना **CBDC - डिजिटल रुपया लॉन्च किया**

क्रिप्टोकॉरेंसी के प्रकार (उपयोग-आधारित)

- उपयोगी टोकन:** ब्लॉकचेन प्लेटफॉर्म के भीतर सेवाओं या सुविधाओं तक पहुँचने के लिये उपयोग किया जाता है (उदाहरण के लिये एथेरियम (ETH) और रिपल (XRP))
- लेन-देन:** भुगतान के लिये उपयोग किये जाने वाले टोकन (उदाहरण के लिये बिटकॉइन (BTC))
- वोटिंग टोकन:** ब्लॉकचेन पर वोटिंग अधिकार प्रदान करने वाले टोकन (उदाहरण के लिये यूनिस्वैप)
- प्लेटफॉर्म आधारित:** स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट को सक्षम करने के लिये प्रूफ-ऑफ-स्टेक तंत्र का उपयोग करने के लिये टोकन (उदाहरण के लिये सोलाना)
- सुरक्षा:** परिसंपत्ति स्वामित्व का प्रतिनिधित्व करने वाले टोकन (उदाहरण के लिये मिलेनियम सैफायर)
- स्टेबलकॉइन:** विभिन्न प्रकार की क्रिप्टोकॉरेंसी में आमतौर पर होने वाली अस्थिरता को कम करने के लिये बनाया गया

यह कैसे कार्य करता है?

- माइनिंग:** लेन-देन को मान्य करने के लिये कंप्यूटर सामर्थ्य के साथ इक्वेशन को हल करता है
- सुरक्षा:** क्रिप्टोग्राफी हेरफेर को रोकती है
- ब्लॉकचेन:** लेन-देन एक वितरित बही खाता पर दर्ज किये जाते हैं
- विकेंद्रीकरण:** कंप्यूटर के वैश्विक नेटवर्क द्वारा सत्यापित और बनाए रखा जाता है
- डिजिटल वॉलेट:** क्रिप्टोकॉरेंसी प्रेषण और अर्जित करने के लिये कुंजियाँ संग्रहीत करता है

लाभ

- विकेंद्रीकरण
- कम लेन-देन शुल्क
- तीव्र लेन-देन
- क्रिप्टोग्राफी के माध्यम से सुरक्षा
- पारदर्शिता
- उच्च रिटर्न

चुनौतियाँ

- छद्म लेन-देन
- मूल्यों में उतार-चढ़ाव
- विनियामक अनिश्चितता
- आपराधिक उपयोग की संभावना
- मापनीय मुद्दे
- माइनिंग में अधिक उपयोग



Drishti IAS

क्रिप्टोकॉरेंसी, ई-मनी, भौतिक मुद्रा के बीच अंतर

श्रेणी	क्रिप्टोकॉरेंसी	ई-मनी	भौतिक मुद्रा (रु. में)
अभंगिम्यता	अधिकांशतः इंटरनेट कनेक्शन तक सीमित	मोबाइल फोन और एजेंट नेटवर्क जैसे ई-डिवाइस तक पहुँच	नकदी, ATM और बैंक शाखाओं तक भौतिक पहुँच
मूल्य	आपूर्ति, मांग और प्रणाली में विश्वास द्वारा निर्धारित	इलेक्ट्रॉनिक रूप में वनिमिय की गई फिजिटल मुद्रा की मात्रा के बराबर	सरकार द्वारा समर्थित, मौद्रिक नीति द्वारा निर्धारित
ग्राहक ID	अनाम	पर्याप्त ग्राहक पहचान आवश्यक	लेन-देन के लिये आवश्यक नहीं, लेकिन बैंक खातों के लिये आवश्यक
उत्पादन/ जारीकरण	गणितीय रूप से उत्पन्न ("Mined")	RBI द्वारा केंद्रीय प्राधिकरण की	केंद्रीय बैंक (RBI)

	डेवलपर्स के समुदाय द्वारा, जिन्हें "माइनर्स" कहा जाता है	फिएट मुद्रा के बराबर मूल्य की रसीद के वरिद्ध डिजिटल रूप से जारी किया गया	
वर्णनात्मक या नरीकषण	अधकतर अनयमतर	केंद्रीय बैंक/बोर्ड	केंद्रीय बैंक (RBI)



डिजिटल रुपया

- ◆ भारतीय रुपये का एक डिजिटल संस्करण।
 - ◆ ई-रुपये के रूप में भी जाना जाता है, सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (CBDC)।
 - ◆ निजी स्वामित्व वाली क्रिप्टो के विपरीत एक केंद्रीय स्वामित्व वाली डिजिटल मुद्रा।
 - ◆ ऑफलाइन कार्यक्षमता प्रस्तावित-कोई भी इंटरनेट के बिना लेनदेन कर सकता है।
- दस देशों ने CBDC की शुरुआत कर दी है जिनमें सबसे पहला है वर्ष 2020 में बहामियन सैंड डॉलर तथा सबसे नवीनतम है जमैका का JAM&DEX।

लाभ

- ◆ वित्तीय प्रणाली में न्यूनतम व्यवधान।
- ◆ **जोखिम से मुक्त:** क्रिप्टो के साथ देखे गए जोखिमों के विपरीत यह लोगों को डिजिटल रूप में मुद्रा में लेनदेन का अनुभव प्रदान करता है,
- ◆ **यथोचित अनामिता:** भौतिक नकदी के समान छोटे मूल्य के लेनदेन के लिये यथोचित अनामिता प्रदान करता है

ई-रुपये का क्रियान्वयन

- ◆ **CBDC-खुदरा मोड:** यह संभावित रूप से सभी के उपयोग के लिये उपलब्ध होगा जिसे CBDC-R भी कहा जाता है।
 - * यह नागरिकों के लिये डिजिटल भुगतान के सुरक्षित साधन की पेशकश कर सकता है।
 - * यह संभवतः नकदी के समान, टोकन-आधारित हो सकता है।



- ◆ **CBDC-थोक मोड:** चुनिंदा वित्तीय निकायों तक सीमित पहुँच के लिये, जिसे CBDC-W भी कहा जाता है।
 - * निपटान प्रणालियों को अधिक कुशल और सुरक्षित बनाने का लक्ष्य।
 - * यह खाता-आधारित हो सकता है।

मुद्दे

- ◆ साइबर सुरक्षा
- ◆ गोपनीयता और डेटा उपयोग का मुद्दा
- ◆ डिजिटल अंतराल
- ◆ अन्य बाजार के प्रतिस्पर्धियों जैसे वीजा, मास्टरकार्ड आदि की तुलना में अप्रतिस्पर्धी कदम।

वर्णनात्मक

- **वैश्विक:** अधिकांश क्रिप्टोकॉर्सेसी राष्ट्रीय सरकार के नियमों के बाहर काम करती हैं, तथा राज्य की मौद्रिक नीतियों से परे **वैकल्पिक मुद्राओं** के रूप में काम करती हैं।
 - **सुविज़रलैंड** ने एक सुपरभाषति वर्णनात्मक ढाँचे के साथ क्रिप्टो को अपनाया है, जिससे ब्लॉकचेन नवाचार को बढ़ावा देते हुए नविशकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।
 - सितंबर 2021 में, **अल सालवाडोर** बटिकॉइन को **कानूनी मुद्रा** के रूप में अपनाने वाला पहला देश बन गया।
- **भारत:** भारत में क्रिप्टोकॉर्सेसी अनयमतर है लेकिन विशेष रूप से प्रतर्बिधति नहीं है।
- **समयरेखा:**

भारत के वर्चुअल डिजिटल संपत्तियों के लिये नियामक ढाँचे का विकास

आरबीआई ने वर्चुअल डिजिटल संपत्तियों के बारे में चिंताएँ व्यक्त कीं

सर्वोच्च न्यायालय ने आरबीआई के 2018 परिपत्र को रद्द कर दिया

VDA आय पर 30% कर और 1% TDS की शुरुआत

2013-2017

2020

2022



अप्रैल 2018

आरबीआई ने वर्चुअल मुद्रा व्यवसायों को सेवाएँ देने पर प्रतिबंध लगाने वाला परिपत्र जारी किया

2021

निजी क्रिप्टोकॉरेसी पर प्रतिबंध लगाने के लिए मसौदा विधेयक प्रस्तावित किया गया

2023-वर्तमान

PMLA के तहत VASP परिभाषा का विस्तार

भारत को क्रिप्टोकॉरेसी की नीतिका आवश्यकता क्यों है?

- **प्रतिभा पलायन की रोकथाम:** क्रिप्टोकॉरेसी पर पूर्ण प्रतिबंध से महत्वपूर्ण प्रतिभा पलायन हो सकता है, साथ ही पूंजी का पलायन भी हो सकता है, जैसा कि [RBI के 2018 के प्रतिबंध](#) के बाद देखा गया था, जहाँ ब्लॉकचेन विशेषज्ञ क्रिप्टो-फ्रेंडली देशों में पलायन करने लगे और भारत में ब्लॉकचेन नवाचार रुद्ध हो गया था।
- **वैश्विक वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र में एकीकरण:** क्रिप्टोकॉरेसी को अपनाकर भारत स्वयं को वैश्विक वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र में एक प्रमुख अभिकर्ता के रूप में स्थापित कर सकता है, नविश आकर्षित कर सकता है तथा 'क्रिप्टो नरियात क्षेत्र' जैसी पहलों के माध्यम से क्रिप्टो स्टार्टअप में वृद्धि को बढ़ावा दे सकता है।
- **नई प्रौद्योगिकी और सेवाओं का लाभ:** [स्केलेबिलिटी, सुरक्षा और एनालिटिक्स](#) में ब्लॉकचेन अनुप्रयोगों की बढ़ती मांग से भारत के लिये क्रिप्टो प्रौद्योगिकियों में [वैश्विकता के साथ एक व्यापक प्रतिभा पूल](#) विकसित करने का अवसर मल्लिगा, जिससे तकनीकी उन्नति को बढ़ावा मल्लिता है।
- **वित्तीय नवाचार को प्रोत्साहित करना:** ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी की गतिशील प्रकृति [नवीन व्यवसाय मॉडल](#) और अनुप्रयोगों के लिये व्यापक संभावनाएँ प्रदान करती है, जिसके दीर्घकालिक प्रभाव विभिन्न क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव ला सकते हैं, जिसके लिये एक संतुलित नियामक दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है।
- **नविशक सुरक्षा बढ़ाना:** नविशकों की सुरक्षा के लिये, भारत को अनुचित बिक्री के खिलाफ [सुदृढ़ शिक्षा और दशान-नरिदेश](#) लागू करने, क्रिप्टो परसिंपत्तियों को वस्तुओं के रूप में वनियमित करने की आवश्यकता है, जिससे कर आधार में वसितार के साथ [सरकारी कर राजस्व](#) को भी बढ़ावा मल्लि सकता है।
 - [रैनसमवेयर हमलों](#) और नविश घोटालों सहित [परिष्कृत धोखाधडी योजनाओं](#) में उनके उपयोग को रोकने के लिये भी सख्त नगरानी की आवश्यकता है।

क्रिप्टोकॉरेसी के समक्ष क्या चुनौतियाँ हैं?

- **बाज़ार में अस्थिरता:** क्रिप्टोकॉरेसी की प्रवृत्ति अत्यंत [अप्रत्याशति](#) है, जिससे बडी मात्रा में नविश करने पर [मूल्य में महत्वपूर्ण उतार-चढ़ाव](#) और भारी नुकसान की संभावना होती है।
- **दुरुपयोग का जोखमि:** बिना कसिी जवाबदेही के क्रिप्टोकॉरेसी को सीमा पार स्थानांतरित करने की सुगमता से इसका [धन शोधन](#) और [आतंकवाद के वित्तपोषण](#) के लिये उपयोग में लाए जाने का [जोखमि](#) बढ़ जाता है।
- **स्केलेबिलिटी संबंधी मुद्दे:** ब्लॉकचेन के [बढ़ते डेटा आकार से इसकी क्षमता](#) सीमित होने से बड़े पैमाने पर तीव्र लेन-देन चुनौतीपूर्ण (विशेष रूप से राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान) हो जाता है।
- **आर्थिक असंतुलन:** क्रिप्टोकॉरेसी बाज़ार के उदय से भारतीय अर्थव्यवस्था में [धन का चक्रीय प्रवाह](#) बाधित हो सकता है, जो पारंपरिक नकदी प्रक्रियाओं से काफी भिन्न है।
- **नियामक नरिक्षण का अभाव:** क्रिप्टो परसिंपत्तियों के लिये एक समरपति मंच या शकियात नवारण तंत्र की अनुपस्थितिसे [उपभोक्ताओं](#) की लेन-देन एवं सूचना संबंधी जोखमिों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ती है।

आगे की राह

- **वनियामक स्पष्टता:** एक व्यापक क्रिप्टो वनियामन वधियक के माध्यम से **क्रिप्टो परसिंपत्तियों** के वनियामन को स्पष्ट करना चाहिये।
- **नविशक संरक्षण: वविाद समाधान,** धोखाधड़ी की रोकथाम एवं जोखिम प्रकटीकरण के लिये **तंत्र** स्थापति करने से यह सुनिश्चिती होगा कि खुदरा नविशकों को सुरक्षा दी जा सके।
- **स्टेबलकॉइन और CBDC एकीकरण:** भारत की **डजिटल रुपया पहल (CBDC)** और क्रिप्टो परसिंपत्तियों को सह-अस्तित्व (बशरते स्पष्ट नयामक अंतर और अंतर-संचालन संबंधी दिशानरिदेश हों) में रखा जा सकता है।
 - इसके अतरिकित सरकार, क्रिप्टो परसिंपत्तियों के उपयोग के लिये **चरण-आधारति दृष्टिकोण** अपना सकती है जिससे जोखिम मूल्यांकन, नयामक तत्परता तथा तकनीकी प्रगति के आधार पर **चरणबद्ध एकीकरण** की अनुमति मिलि सके।
- **कराधान सुधार:** क्रिप्टो से संबंधति उच्च कर व्यवस्था से व्यवसाय अन्य देशों की तरफ आकर्षति हो रहे हैं। **अधकि संतुलति कर संरचना** से सरकारी राजस्व में वृद्धि होने के साथ घरेलू नवाचार को प्रोत्साहन मिलि सकता है।
- **सार्वजनकि-नजिी सहयोग:** उद्योग जगत के नेताओं, ब्लॉकचेन स्टार्टअप्स और **अंतर्राष्ट्रीय नयामक नकियाँ** के साथ जुड़ने से भारत को ऐसी नीतियाँ बनाने में मदद मिलैगी जिससे जोखिमों को कम करने के साथ नवाचार को बढ़ावा मिलि सकेगा।

दृष्टिमुख्य परीक्षा प्रश्न:

प्रश्न: भारत में क्रिप्टोकॉरेंसी से संबंधति मौजूदा वनियामक ढाँचे पर चर्चा कीजिये। इससे संबंधति चुनौतियों का मूल्यांकन करते हुए ऐसा संतुलति दृष्टिकोण सुनिश्चिती करने के उपाय बताइये जिससे नविशकों की सुरक्षा के साथ नवाचार को बढ़ावा मिलि सके।

यूपीएससी सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न (PYQ)

प्रलिमिस

प्रश्न: “ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी” के संदर्भ में नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजिये: (2020)

यह एक सार्वजनकि बहीखाता है जिसका नरिीक्षण हर कोई कर सकता है, लेकनि जिसे कोई एकल उपयोगकर्त्ता नरियंत्रति नहीं करता है।

ब्लॉकचेन का स्ट्रक्चर और डजिाइन ऐसा है कि इसमें मौजूद सारा डेटा क्रिप्टोकॉरेंसी के बारे में ही होता है।

ब्लॉकचेन की बुनयिादी सुवधिाओं पर नरिभर एप्लीकेशन बिना कसिी की अनुमति के वकिसति किये जा सकते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल 1
(B) केवल 1 और 2
(C) केवल 2
(D) केवल 1 और 3

उत्तर: (D)

प्रश्न. नमिनलखिति युग्मों पर वचिर कीजिये: (2018)

	कभी-कभी समाचारों में आने वाले शब्द	संदर्भ/वषिय
1.	बेल II प्रयोग	कृत्रमि बुद्धि
2.	ब्लॉकचेन प्रौद्योगकिी	डजिटल/क्रिप्टोकॉरेंसी
3.	CRISPR-Cas9	कण भौतिकी

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलति है/हैं?

- (a) केवल 1 और 3
(b) केवल 2
(c) केवल 2 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

??/??/??/??/??:

प्रश्न: चर्चा कीजिये कि कसि प्रकार उभरती प्रौद्योगकिियाँ और वैश्वीकरण मनी लॉन्डरगि में योगदान करते हैं। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर मनी लॉन्डरगि की समस्या से नपिटने के लिये किये जाने वाले उपायों को वसितार से समझाइये। (2020)

प्रश्न: क्रिप्टोकॉरेंसी क्या है? यह वैश्विक समाज को किस प्रकार प्रभावित करती है? क्या यह भारतीय समाज को भी प्रभावित कर रही है? (2019)

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/need-for-balanced-cryptocurrency-regulation>

